पाठ्यक्रम

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

हिन्दी (अनिवार्य)

बी.ए. द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- ❒ आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक — 36 अंक
- ❒ हिंदी साहित्य का रीतिकाल — 26 अंक
- ❒ प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कम्प्यूटिंग और अनुवाद — 10 अंक
- ❒ वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 8 अंक

खण्ड-क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्य-पुस्तक

- ❒ तृतीय सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक-निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग तैयार करेगा। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्य-पुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए।
- ❒ प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा—
  1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
  2. मैथिलीशरण गुप्त
  3. जयशंकर प्रसाद
  4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
  5. महादेवी वर्मा
  6. रामधारी सिंह दिनकर
  7. भारतभूषण अग्रवाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
2. रीतिकाल का नामकरण
3. रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
4. रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ
5. रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

Scanned with CamScanner

खण्ड-ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

1. कम्प्यूटर : स्वरूप और महत्व
2. ई-मेल : प्रेषण-ग्रहण
3. इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता
4. मशीनी अनुवाद
5. अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप

खण्ड-घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश :

1. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करना होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 08 अंक का होगा।
3. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
4. खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08-08 अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।
5. खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
6. खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देना होगा। प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
7. खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

Scanned with CamScanner